ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-१५
दिनांक- मंगलवार,२३ फरवरी, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.5 एवं 14.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 62 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाष अवधि औसतन 6.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 17.9 एवं दोपहर में 26.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(24–28 फरवरी, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 24–28 फरवरी, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 28 से 32 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 5 से 7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में तापमान के वृद्धि होने की संभावना को देखते हुए सब्जियों की लगी हुई फसल जैसे– मटर, टमाटर, बैगन, मिर्च, प्याज,पत्ता गोभी में सिंचाई करें।
- पिछात बोयी गयी सरसों की फसल में लाही कीड़ों के प्रकोप का अनुकुल समय चल रहा है। इससे बचाव के लिए डाईमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- बसंतकालीन मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर 15–20 टन गोबर की खाद, 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा 11, शक्तिमान 1 एवं 2 किस्में अनुषंसित है। बीज दर 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें। रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी बनाए रखें।
- अगात आलू की तैयार फसल की खुदाई करें। आलू की फसल जो कृषक बंधु बीज के लिए रखना चाहते हैं उसकी ऊपरी लत्तर की कटाई कर दें।
- सुर्यमुखी की बुआई करें। बुआई से पुर्व 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–44, एम0एस0एफ0एच0–1, एम0एस0एफ0एच0–8 एवं एम0एस0एफ0एच0–17 अनुसंषित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। यह प्याज को नुकसान पहुँचानेवाला मुख्य कीट है। तापमान में बढ़ोत्तरी के साथ–साथ फसल में इस कीट की सक्रियता में वृद्धि होती है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों का ऊपरी हिस्सा टेढ़ा–मेढा हो जाता है। पत्तियों पर दाग सा दिखाई देता है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। जिससे उपज में काफी कमी आती है। थ्रीप्स की संख्या फसल में अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मी.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- गरमा सब्जियों की बुआई करें। भिंडी के लिए परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के0एस0–312 लौकी के लिए राजेन्द्र चमत्कार, पूसा समर प्रौलिफिक लॉंग, पूसा समर प्रौलिफिक राउंड नेनुआ के लिए राजेन्द्र नेनुआ–1, पूसा चिकनी पूसा प्रिया, कल्याणपुर चिकनी करेला के लिए पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, कोयम्बटूर लॉंग, पंत करेला और कल्याणपुर बारहमासी अनुशंसित किस्में हैं। स्वस्थ फसल के लिए बीज को सदैव उपचारित कर बुआई करें।
- अगात बोयी गई गेहूँ की दाना बनने से दुध भरने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी का विषेष ध्यान रखें। इस अवस्था में नमी की कमी रहने से उपज में कमी आती है।
- जुलाई माह में लगाई गयी पपीता के बगीचे में निकाई–गुड़ाई करें तथा उसके बाद प्रति पौधा 100 ग्राम युरिया, 50 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाष एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग कर हल्की सिंचाई करे।
- बरसीम एवं जई के चारा फसल में प्रत्येक 20–22 दिन में सिंचाई करें। बरसीम में प्रत्येक चारा कटाई के चौथे दिन पानी में गोबर घोलकर डालें। हरा चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे।

आज का अधिकतम तापमानः 28.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 14.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी